www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक...

3 कान साफ करने के लिए अपनाएं घरेलु नुस्खे

4 जे.डी. इंटरनेशनल स्कूल में जागृति समारोह बड़े ही उल्लास और उत्साह के साथ मनाया

वर्ष: 9 | अंक: 70 | दिल्ली, शुक्रवार, 3 जनवरी 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में सर्दी के चलते बंद हुए स्कूल

नोएडा (एजेन्सी)। अत्यधिक ठंड की स्थिति को देखते हुए, गौतम बुद्ध नगर में कक्षा एक से आठवीं तक के सभी स्कूल अगली सूचना तक बंद रहेंगे। भीषण ठंड और कोहरे के कारण स्कूली छात्रों की भलाई के लिए यह निर्णय लिया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने इस संबंध में सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को पत्र भेजकर निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने स्कूलों में छुट्टी घोषित करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से ठंड बढ़ रही है और सुबह के समय घना कोहरा छा रहा है। ऐसे में स्कूली छात्रों के लिए स्कूल आना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। प्रशासन ने गौतमबुद्धनगर में संचालित नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी बोर्ड-मान्यता प्राप्त स्कूलों (सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, यूपी बोर्ड और अन्य) को अगले आदेश तक पूरी तरह से बंद कर दिया है। पवार ने एक बयान में कहा, यह आदेश तुरंत प्रभावी है और इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार सुबह हल्का कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर दिन के दौरान ठंड और कुछ इलाकों पर घना कोहरा छाए रहने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि पालम मौसम केंद्र ने सुबह छह बजे बहुत घना कोहरा छाने की जानकारी दी है और इस दौरान दृश्यता शून्य मीटर रही।

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग: अमित शाह

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। शाह ने इस दौरान कहा कि हमारे देश के हर कोने का इतिहास हजारों साल पुराना है, जहां दुनिया की सभ्यताओं को कुछ न कुछ देने के लिए काम किये गये। उन्होंने कहा कि परतंत्रता के समय हमें यह भूलाने का प्रयास किया गया। एक मिथक प्रचारित किया गया कि यह राष्ट्र कभी एकजुट नहीं था और स्वतंत्रता का विचार बेमानी था। बहुत से लोगों ने इस झूठ को स्वीकार भी किया।

शाह ने आगे कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान इतिहास में लिखी गई हमारे देश की परिभाषा उनकी जानकारी की कमी के कारण गलत थी। विश्व के सभी राष्ट्रों का अस्तित्व भू-राजनीतिक है। वे युद्ध या समझौते के परिणामस्वरूप सीमाओं द्वारा

बनते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो 'भू-सांस्कृतिक' देश है और संस्कृति के कारण ही सीमाएँ निर्धारित होती हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, गांधार से ओडिशा तक और बंगाल से असम तक, हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो लोग किसी देश को किसी भू-राजनीतिक चीज के रूप में परिभाषित करते हैं, वे हमारे देश को परिभाषित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि भारत को समझने के लिए हमारे देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। कश्मीर और लद्दाख कहां थे, इस आधार पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर विश्लेषण करना कि इस पर किसने शासन किया, कौन रहते थे और कौन-कौन से समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, व्यर्थ है और केवल इतिहास की कुटिल दृष्टि वाले इतिहासकार ही ऐसा कर सकते हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि भारत की सभी क्षेत्रों में फैली 10,000 साल पुरानी संस्कृति कश्मीर में भी मौजूद थी। जब 8000 साल पुरानी किताबों में कश्मीर और झेलम का जिक्र होता है तो कश्मीर किसका है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता।

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। इसे कोई भी कानून की धाराओं का इस्तेमाल कर अलग नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कानून का उपयोग करके इसे अलग करने का प्रयास किया गया लेकिन समय के प्रवाह में वे धाराएँ निरस्त कर दी गईं और सभी बाधाएँ दूर हो गईं।

सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के खिलाड़ियों की माताओं को किया सम्मानित

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रांतीय ईकाई की ओर से पैरालंपिक व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों की माताओं के सम्मान में आयोजित वीर माता जीजा बाई प्रांत स्तरीय सम्मान समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु द्रोण की नगरी गुरुग्राम में आयोजित माता जीजा बाई सम्मान समारोह खेल के क्षेत्र में माताओं की भूमिका का उत्सव है। देश-दुनिया में परचम लहराने वाले खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह समारोह न केवल हमारे खिलाड़ियों के प्रति बल्कि उनकी माताओं के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर बड़ी सफलता के पीछे माँ का हाथ होता है। ऐसी माताओं का सम्मान करना

समाज की जिम्मेदारी है। इससे नई पीढ़ी को प्रेरित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रदेश की इकाई को भी इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी। साथ ही संस्था को 21 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की। श्री नायब सिंह सैनी ने माताओं के ऐतिहासिक योगदान को याद दिलाते हुए कहा कि माता जीजा बाई, जिनके नाम से समारोह का आयोजन किया गया है, उन्होंने अपने बेटे छत्रपति शिवाजी महाराज को एक सच्चे योद्धा और नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार किया था। उनकी दूरदृष्टि और परिश्रम से देश को शिवाजी महाराज के रूप में ऐसा महान योद्धा मिला, जिसने उस समय स्वराज की नींव रखी।

विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भागीदार बनेगा हरियाणा : नायब सिंह सैनी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक उन्नति में औद्योगिक संस्थानों का सहयोग हरियाणा की समृद्धि एवं प्रगति के लिए समावेशी दृष्टिकोण की प्रतिबद्धता को दोहराता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प है उसमें हरियाणा की महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी।

मुख्यमंत्री आज गुरुग्राम में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इंडस्ट्री व मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से संबंधित हितधारकों के साथ आयोजित पूर्व बजट परामर्श बैठक (प्री बजट कंसल्टेशन) की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उद्योग जगत एवं मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट के लिए अपने सुझाव रखें। बैठक में प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना के विधायक श्री तेजपाल तंवर व गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व बजट परामर्श बैठक में पहुंचे प्रतिनिधियों के सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आगामी बजट में आवश्यक विषयों पर विचार करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने

बताया कि आगामी बजट में वर्तमान आवश्यकताओं के साथ साथ दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा करने के सार्थक प्रयास किए जाएंगे। आगामी बजट हमारी सामूहिक महत्वाकांक्षाओं व प्राथमिकताओं का प्रतिबिंब है। आगामी बजट की तैयारियों के लिए यह आवश्यक है कि हम समाज के सभी वर्गों के साथ संवाद करें ताकि हरियाणा के प्रत्येक नागरिक की जरूरतों व सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक सकारात्मक प्रयास किए जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा ने कृषि, उद्योग, शिक्षा की आधारभूत संरचना व प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन, युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने एवं समाज कल्याण के लिए आप सभी के रचनात्मक सुझावों को प्राथमिकता देते हुए आगामी बजट में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर करने, इंडस्ट्रियल पालिसी में आवश्यक सुधार को लेकर रखे गए सुझाव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का भी आश्वासन दिया।

'भगवान पंजाब के किसानों की रक्षा करें'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि अगर पंजाब में प्रदर्शनकारी किसानों को कुछ हुआ तो भाजपा जिम्मेदार होगी। आपको बता दें कि पंजाब के किसान एमएसपी पर कानूनी गारंटी समेत कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन उपवास पर हैं। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। बीजेपी सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं। उन्होंने सवाल किया कि बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है कि किसी से बात भी नहीं करते? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पंजाब में जो किसान अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं, भगवान उन्हें सलामत रखें लेकिन यदि

उन्हें कुछ होता है तो इसके लिए बीजेपी जिम्मेदार होगी।

आप प्रमुख ने कहा कि देशभर के किसानों की जानकारी के लिए मैं बता दूँ कि जो तीन काले कानून केंद्र ने तीन साल पहले किसानों के आंदोलन की वजह से वापिस लिए थे, उन्हें पालिसी कहकर केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से दोबारा लागू करने की तैयारी कर रही है। इस पालिसी की कॉपी उनके विचार जानने के लिए केंद्र ने सभी राज्यों को भेजी है। वहीं, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की आप सरकार पर किसानों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

युवा कल्याण विभाग द्वारा यूपी ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग अंतर्गत युवा कल्याण विभाग, बदायूं के तत्वाधान में तीन दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम बहेड़ी, बदायूं में किया गया। जिसके अंतर्गत पहले दिन एथलेटिक्स एवं कबड्डी (बालक एवं बालिका) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला अधिकारी बदायूं के कर कमलो द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर जिला अधिकारी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया तथा राष्ट्रीय स्तर पर जिला बदायूं का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया एवम शपथ भी दिलाई तथा युवा कल्याण विभाग, बदायूं द्वारा ग्रामीण आंचल से प्रतिभाएं खोज कर लाने हेतु भूरी भूरी प्रशंसा की। प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ (सब जूनियर वर्ग) पुरुष में प्रथम स्थान राधेश्याम 800 मी दौड़ में रामू पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवम 100 मीटर दौड़ (सब जूनियर वर्ग) महिला में प्रथम स्थान काजल ने तथा 800 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान दीक्षा ने प्राप्त किया। लंबी कूद में प्रथम स्थान अनामिका ने 100 मीटर दौड़ (जूनियर वर्ग) पुरुष में प्रथम स्थान राहुल यादव ने 400 मीटर दौड़ने प्रथम स्थान रामदेव ने प्राप्त किया 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान विपिन यादव ने प्राप्त किया।

100 मीटर दौड़ (सीनियर वर्ग) में प्रथम स्थान मोनू यादव ने प्राप्त किया। जबकि 100 मीटर दौड़ में (सीनियर वर्ग) महिला प्रथम स्थान अंजली यादव ने प्राप्त किया। कबड्डी सब जूनियर वर्ग महिला में प्रथम स्थान उसावा ब्लॉक द्वितीय स्थान मियांऊ ब्लॉक ने प्राप्त किया। बन्ही कबड्डी में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान आसफपुर ब्लाक ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन पवन शंखधार ने किया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी अमित रिछारिया एवम समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी एवम जिला खेल पीटीआई राम दास यादव, पीटीआई ज्योति सक्सेना बन्ही कबड्डी में सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान आसफपुर ब्लाक ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन पवन शंखधार ने किया।

इस अवसर पर समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी एवम जिला खेल पीटीआई राम दास, पीटीआई ज्योति सक्सेना, पीटीआई रामऔतार, सत्यवीर यादव कंचन आदि कब्बड्डी एवम एथलेटिक्स के जिला सचिव मधुकर मिश्रा एवं परवेज गाजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी बदायूँ हरि प्रेम की देखरेख में सम्पन्न हुआ। अतिथियों द्वारा विजेता खिलाडियों को प्रमाण पत्र एवम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में किया पार्क का उद्घाटन

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पार्क के बन जाने से आमजन को सुविधा होगी तथा वह यहां सुगमता से बैठ सकेंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पौधारोपण भी किया।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों जिलाधिकारी द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया गया था। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पार्क के जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिए थे तथा 01 जनवरी को उद्घाटन कराने के लिए कहा था। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा गुरुवार को पार्क के जीर्णोद्धार के उपरांत इसका उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया।

जिलाधिकारी ने नाजीर को नियमित रूप से पार्क की सफाई तथा कलेक्ट्रेट में समुचित साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा कलेक्ट्रेट परिसर में जगह-जगह पर पार्क, पेयजल व्यवस्था व शौचालय किन-किन स्थानों पर संचालित हैं इस संबंध में वॉल पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए हैं ताकि आमजन सुविधाओं का सहजता व सुगमता से प्रयोग कर सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

एनईपी को 2025 तक लागू करने के लिए युद्ध स्तर पर की जा रही है तैयारियां: शिक्षा मंत्री

बैठक में प्राचार्यों के अलावा नोडल अधिकारी भी हुए शामिल

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को 2025 में क्रियान्वयन के लिए शिक्षा विभाग युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। राज्य के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों के साथ-साथ शिक्षाविदों अन्य हितकारकों के सुझाव आमंत्रित करने के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में 12 जनवरी को विवेकानंद जयंती पर ऑनलाइन पोर्टल जारी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गत दिनों शिक्षा सदन पंचकूला में मैराथन बैठक की अध्यक्षता वे स्वयं कर चुके हैं, जिसमें तय किया गया था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और उद्देश्यों को लेकर मंडल स्तर के महाविद्यालयों के साथ बैठक की जाए और इस कड़ी में आज राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर 14,

गुरूग्राम में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुग्राम डिवीजन के 74 सरकारी कॉलेजों और फरीदाबाद डिवीजन के 33 कॉलेजों के प्राचार्यों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के साथ छात्रों को सीधे तौर पर जोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में सुझाव पेटिका लगाने के निर्देश पहले दिए जा चुके हैं। आने वाले सुझावों के आधार नई शिक्षा नीति को बेहतर बनाने के लिए नई रूपरेखा तैयार की जाएगी।

शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने कहा कि आधुनिकता के युग में हर विद्यार्थी डिजिटल तकनीक के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए आनलाइन सुझाव को लेकर पोर्टल बनाया गया है, ताकि विद्यार्थी घर बैठे सुझाव दे सकें। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के सुझावों के आधार पर योजना तैयार की जा रही है, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि फरवरी 2025 में शिक्षा नीति को लेकर राष्ट्रीय स्तर की गोलमेज कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उच्चतर शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक हेमंत वर्मा, सहायक निदेशक डॉ. कृष्णा और प्राचार्य डॉ. जितेंद्र मौजूद रहे।

दिनभर पछुआ हवा ने कंपकपाया, लोगों का जीना मुहाल, धूप भी हो जा रहे बेअसर

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। सर्द मौसम की बेढंगी चाल का असर नव वर्ष से देखने को मिल रहा है। जिससे शीतलहर का प्रकोप जारी हो गया है। पूरे क्षेत्र में हाड़ कपा देने वाली पछुआ हवा बह रही है। सर्दी के सितम ने हर तबका के लिये परेशानी का सबब बना गया है। पछुआ हवा ने सूर्य की किरणों को बेअसर कर दिया है। न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। गुरुवार को दिनभर पछुआ हवाओं ने जोर पकडे रहा। जिस वजह से दिनभर ठंड का एहसास होता रहा। दोपहर बाद खिली धूप भी बेअसर रही। ठंडी हवा के झोंके बदन में नश्तर बनकर चुभने शुरू हुये तो लोग धूप सेंकने का मोह छोड़कर घरों के अंदर बने रहने को मजबूर हो गये। दिन ढलने के बाद कनकनी और बढ़ गयी। ठंडी हवा से उपजी ठिठुरन दोपहर तक सूरज के ताप पर हावी रही। पहाड़ी क्षेत्रों से आ रही पछुआ हवा के कारण ठंड का एहसास ज्यादा हो रहा है। वातावरण में गलन और ठिठुरन ने जनजीवन को परेशान करना शुरू कर दिया। जिससे लोगों का दिनचर्या भी प्रभावित हो रहा हैं। ठंड में लोग बेवजह इधर-उधर निकलने से बच रहे हैं। ठंड के बढ़ते प्रकोप के देखते हुए नप प्रशासन फिलहाल अलाव की व्यवस्था नहीं किया है। इस संबंध में अध्यक्ष प्रतिनिधि अंजीत कुमार ने बताया कि एक-दो दिनों से ठंड का प्रकोप बढ़ा है। बढ़ते ठंड के प्रकोप को देखते हुए शुक्रवार से नप क्षेत्र के चौक चौराहा पर छह जगह पर अलाव की व्यवस्था लोगों की सुविधा के लिए किया जाएगा।

सुर चंदम कार्यक्रम में नृत्यांगना बृष्टि मुखर्जी कला गुरु रत्न सम्मान से हुई सम्मानित

एसबी संवाददाता

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय भवन में आयोजित चंदम नृत्य प्रतियोगिता में वाराणसी के प्रणाली डांस अकादमी की निदेशिका और ख्यात नृत्यांगना बृष्टि मुखर्जी को चंदम इन्टरनेशनल डांस एण्ड म्यूजिक फेस्टिवल द्वारा कला गुरु रत्न सम्मान से सम्मानित किया गयोसुर चंदम नामक कार्यक्रम में बृष्टि मुखर्जी संचालन के साथ साथ इस फेस्टीवल की सह निदेशिका भी थीं।

इस कार्यक्रम में डॉ विधि नगर संकाय प्रमुख संगीत एवं नृत्य कला संकाय बीएचयू मुख्य अतिथि के रुप में थी। साथ ही मृदंगम के असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल थे। बृष्टि मुखर्जी के निर्देशन में वाराणसी से 12 प्रतिभागियों ने नृत्य का प्रदर्शन किया तथा नृत्य विभीषिका नामक खिताब जीता। दूसरे चरण में नृत्य प्रतियोगिता की उपस्थापना की गई थी जिसमें बिहार प्रथम स्थान, छत्तीसगढ़ द्वितीय स्थान ओर कोलकाता तीसरे स्थान पर रहा।

कला गुरु रत्न सम्मान से सम्मानित होते हुए बृष्टि मुखर्जी। (छाया: एसबी)

प्रशांत किशोर ने आमरण अनशन शुरू किया

(एजेन्सी)।

बिहार। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे आमरण अनशन शुरू किया। किशोर ने पटना के गांधी मैदान में यह घोषणा की।

गांधी मैदान उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर है जहां कई पीड़ित उम्मीदवार लगभग दो सप्ताह से चौबीसों घंटे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी मांगों में परीक्षा रद्द करना और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करना शामिल है। उन्होंने कहा मैं उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग करता हूं, जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं द्वारा भरे जाने वाले पदों को खरीद-फरोख्त के लिए रखा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात के तुरंत बाद, किशोर ने सोमवार को कहा था कि वह 48 घंटे तक इंतजार करेंगे और अगर नीतीश कुमार सरकार 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं पर कोई कार्रवाई करने में विफल रही, तो आंदोलन तेज हो जाएगा।

सम्पादकीय

राजनीति में विवाद

देश में नेताओं की फितरत में शामिल हो चुका है किसी न किसी वजह से विवादों को जन्म देना। इसके लिए किसी का जन्म-मरण भी नहीं देखा जाता। विवादों के चलते राजनीति इतने निचले स्तर पर जा चुकी है कि दिवंगत विभूतियों को भी नहीं बख्शा जाता। इसमें नेताओं का अहम और राजनीतिक आड़े आ जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह भी इसी राजनीति का शिकार हो गए। सिंह की चिता की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि उनकी समाधी स्थल को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और कांग्रेस तथा विपक्षी दल एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लग गए। दिल्ली में सिंह के स्मारक के लिए जगह को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। सिंह के स्मारक के मुद्दे पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया है। राहुल गांधी के मुताबिक आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में असम्मान और कुप्रबंधन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि डीडी (दूरदर्शन) को छोड़कर किसी भी समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई। डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया। सिंह के परिवार को बमुश्किल ही कवर किया। उन्होंने दावा किया कि सिंह के परिवार के लिए केवल तीन कुर्सियां सामने की पंक्ति में रखी गईं। कांग्रेस नेताओं, सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए सीट की व्यवस्था की खातिर जद्दोजहद करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि इस महान राजनेता के साथ इस अपमानजनक व्यवहार से सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता उजागर होती है। खेड़ा ने दावा किया कि हैरानी की बात यह रही कि जब भूटान के नरेश खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हुए। अंतिम संस्कार की रस्में निभाने वाले पोतों को चिता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा क्योंकि विदेशी राजनयिकों को कहीं और बैठाया गया और वे नज़र नहीं आए। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा कैसे पीछे रह सकती थी। यह देखे बगैर की इस मुद्दे पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भद्द पिटेगी, भाजपा पलटवार करने में पीछे नहीं रही। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के पूर्व प्रधानमंत्री सम्माननीय मनमोहन सिंह जी के दुखद देहावसान पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच के लिए जितनी भी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को जीते-जी कभी भी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। इस विवाद में आम आदमी पार्टी भी कूद पड़ी। (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। केजरीवाल ने सवाल किया कि सिख समाज से आने वाले और पूरी दुनिया में ख्यातिप्राप्त 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए भाजपा सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी? कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे-कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग-अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था। सिंह के समाधिस्थल को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री रहे नरसिम्हा राव की समाधि को लेकर किए गए बर्ताव को भूल गई। कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार राव के स्मारक के लिए 10 साल तक जगह नहीं दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री राव के कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी से राजनीतिक रिश्ते कभी सौहाद्रपूर्ण नहीं रहे। यही वजह रही कि कांग्रेस उनकी समाधि को लेकर उपेक्षा करती रही। साल 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब स्मारक बनाने का प्रस्ताव दिया गया। तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने इस पर तेजी से काम किया। ऐसा नहीं है कि अतिशिष्टि व्यक्तियों की समाधिस्थल को लेकर विवाद आगे नहीं होगा। केंद्र में सत्ता बदलने पर फिर ऐसी ही हास्यादपद हालात पैदा हो सकते हैं। बेहतर यही होगा कि ऐसे मुद्दों पर तुच्छ राजनीति से परे राजनीतिक दलों को मिल बैठ कर स्थायी हल ढूंढना चाहिए, ताकि दिवंगत की आत्मा को शांति मिले और ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जगहसाई से बचा जा सके।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक मामलें न्यायालयों में विचाराधीन

न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब 25 कोर्ट बने भी

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि देश के न्यायालयों में 45 लाख से अधिक मामलें केवल और केवल चेक बाउंस होने से संबंधित है। अदालतों में लंबित मुकदमों में करीब 9 प्रतिशत मामलें तो चेक बाउंस के ही है। इसमें भी सर्वाधिक 6 लाख से अधिक मामलें राजस्थान में विचाराधीन है वहीं राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य है जहां चेक बाउंस के सर्वाधिक मामलें विचाराधीन है। न्यायालयों में मुकदमों के बोझ को लेकर न्यायपालिका से लेकर सरकार और इससे जुड़े लोग सभी चिंतित है। देश के न्यायालयों में कुल 5 करोड़ से अधिक मामलें लंबित चल रहे हैं। लगातार सुधारों और सकारात्मक प्रयासों के बावजूद न्याय की प्रतीक्षा में इतनी अधिक संख्या में प्रकरणों का बकाया होना इस मायने में भी चिंता का कारण है कि न्यायालयों पर मुकदमें को बोझ कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह सब तो तब है जब लोक अदालतों का समय समय पर लगातार आयोजन किया जा रहा है। दरअसल कुछ इस तरह के मुकदमें है जो सबसे अधिक न्याय के मंदिर का बोझ बढ़ा रहे हैं। ऐसे मुकदमों के निस्तारण की दृष्टि से यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले मुकदमों के निस्तारण का जो रास्ता अख्तियार किया गया है वह निश्चित रुप से सराहनीय और न्यायालयों के बोझ को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास माना जा सकता है। यदि चेक बांउस वाले मामलों को भी इसी तरह से निपटान का कोई रास्ता निकल सके तो न्यायालयों में मुकदमों के अंबार को निष्चित रुप से कम किया जा सकता है।

न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब25 कोर्ट बने भी। पर परिणाम सामने नहीं आ सके हैं।

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। देश के सबसे बड़े न्याय के मंदिर में 80 हजार से अधिक मामलें लंबित है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लंबित न्यायालयों में से करीब 85 प्रतिशत से अधिक मामलें तो जिला अदालतों में विचाराधीन है। करीब 25 प्रतिशत मामलें राजस्व से जुड़े हैं। यातायात नियमों की अवहेलना के मामलें भी बहुत अधिक संख्या में है पर इसके निराकरण का रास्ता निकलने लगा है। देश में समय समय पर नियतकाल में लग रही लोक अदालतों में भी बड़ी संख्या में मुकदमों का निस्तारण होने लगा है। पर सवाल वहीं का वहीं हैं कि देष के न्यायालयों में फास्ट ट्रेक सहित विशेष अदालतें बनने के बाद भी कम होने की जगह दिन प्रतिदिन अधिक ही होते जा रहे है। विचाराधीन कैदियों के संदर्भ में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु की टिप्पणी और उपकी चिंता से सभी वाकिफ हो चुके हैं। होता तो यहां तक है कि हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण देखने को मिल जाएंगे जिसमें जितनी सजा होनी चाहिए उससे अधिक समय तो ज्यूडिशियल कस्टेडी में ही निकल जाता है। इसी तरह से मामूली मारपीट और इसी तरह के दूसर छोटे मोटे मुकदमें न्यायालयों में लगातार बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। आपसी जमीन जायदाद और गज दो गज जमीन के, रास्ते के और इनके कारण राजस्व मुकदमों के साथ ही क्रिमिनल मुकदमों और इसी तरह के मुकदमों के न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करते हुए त्वरित निस्तारण का कोई समाधान खोजा जाना आवश्यक है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे न्यायालयों द्वारा मुकदमों का बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। व्यवस्था में काफी सुधार किये गए हैं। पुराने लंबित मुकदमों की पहले सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह से तारीख पर तारीख लेने की परंपरा को भी तोड़ा जा रहा है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तकनीक सेवी बनाया जा रहा है। त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। पर तथ्य तो यही दर्शा रहे हैं कि लाख प्रयासों के बावजूद मुकदमों का अंबार कम नहीं हो रहा। भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि देशवासियों को न्याय सिस्टम के प्रति विष्वास है और यही कारण है कि लोग जब कोई विकल्प नहीं दिखता तो न्याय के दरवाजे पर गुहार लगाते है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि न्यायालयों में सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या भी बहुत बहुत बड़ी संख्या में हैं। आर्बिटेशन के प्रावधान होने के बावजूद अधिक मामलें निपट नहीं पाते हैं। अब चेक बांउस के मामलों को ही लिया जाए तो इसमें दो बाते साफ है। मोटे रुप से चेक बांउस होने की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या चेक राशि की दो गुणा राशि चुकाने के प्रावधान है। केस की प्रकृति के अनुसार सजा कम ज्यादा हो सकती है। ऐसे में 43 लाख मुकदमों का केवल चेक बाउंस से संबंधित होना इसलिए चिंता का विषय हो जाता है कि पांच करोड़ में से यह संख्या कम होती है और खासतौर से ऐसे हालातों में निचली अदालत में मुकदमों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता तो चेक बांउस प्रकरणों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाते हुए लोक अदालत लगाई जाकर उसमें दोनों पक्षों को बुलाकर समझाईश से निपटाया जा सकता है या कुछ इसी तरह का कोई हल खोजा जा सकता है। ऐसे मामलों में एक या दो से अधिक तारीख तो दी ही नहीं जानी चाहिए। ऐसे मामलें अदालत में आने की साथ ही दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का तारीख दर तारीख नहीं बल्कि पहली या दूसरी तारीख में ही देकर के निस्तारित किया जाना अधिक उचित होगा ताकि इस तरह के प्रकरणों का निष्पादन हो सके। यह तो सामान्य व्यक्ति के रुप में सुझाव हो सकता है। न्यायपालिका से जुड़े विशेषज्ञ विद्वतगण इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रिया को पूरी करते हुए कोई सकारात्मक सुझाव दे और सरकार व न्यायपालिका द्वारा परीक्षण कर कोई ऐसी व्यवस्था करें तो मुकदमों के अंबार को कम किया जा सकता है। चेक बांउस तो एक पक्ष है इसी तरह के ऐसे मुकदमें जिनमें अधिक कानूनी पेचिदगियां नहीं होती हो उनके त्वरित निस्तारण का रास्ता निकाल कर न्यायालयों के बोझ को हल्का किया जा सकता हैं। सरकार, न्यायपालिका और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को इस दिशा में भी निरंतर मनन और समाधान खोजना ही होगा ताकि न्याय जल्दी मिल सके, मुकदमों का भार कम हो सके।

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे है। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदला है

-उमेश चतुर्वेदी

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है।

बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन-स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ।

इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरूआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की।

नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य और शिक्षा सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए युद्धस्तर पर कार्यक्रम चलाए गए। पहले इन इलाकों के लिए स्कूल और अस्पताल सपना थे, लेकिन अब हालात बदल रहे है। इसके साथ ही, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना भी की गई है। जहां आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इससे भी नक्सल प्रभावित इलाकों के लोगों का मन बदला है। स्थानीय समुदायों का सहयोग इस अभियान की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। अमित शाह ने प्रभावित क्षेत्रों में जनता से सीधे संवाद स्थापित किया है। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। स्थानीय सुरक्षा बलों को मजबूत करते हुए उनकी मदद से नक्सलवाद को कमजोर किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल जनता का विश्वास जीता है, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति और स्थिरता लाने में भी मदद की है। इस बीच नक्सलियों पर गहन निगाह रखने के लिए जहां खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया, वहीं उनकी निगाहबानी के लिए तकनीक का भी खूब सहारा लिया जा रहा है।

ड्रोन जैसी तमाम तकनीकों के जरिए जहां माओवादियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है, वहीं सटीक सूचनाओं के चलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में भी आसानी हुई है। इसके साथ ही नक्सलियों के लिए की जा रही परोक्ष और अप्रत्यक्ष फंडिंग पर नकेल कसी गई है। हालांकि सरकार के इस कदम को लेकर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलनी पड़ी है। लेकिन केंद्र सरकार ने अपना रूख नहीं बदला। इससे नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ कमजोर हुई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। नक्सलवाद पर नकेल कितना कारगर रहा है, इसका ही असर है कि देश के अब सिर्फ 38 जिले ही नक्सल प्रभावित माने जा रहे हैं, जबकि पहले ऐसे जिलों की संख्या 120 से अधिक थी। नक्सलवाद से जुड़े सिमटते आंकड़े ही बता रहे हैं कि केंद्र सरकार की नक्सलविरोधी रणनीति की दिशा सही है।

सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 से अधिक आवास बनाए जा रहे हैं। जिनमें विस्थापित परिवारों को रहने की सुविधा दी जा रही है। नक्सलवाद से विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर भी बनाए गए हैं। समर्पण कर चुके नक्सलियों और नक्सल प्रभावित इलाके के के लोगों को रोजगार दिलाने के लिए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां आत्मसमर्पण करने चुके नक्सलियों को उनकी रूचि वाले कारोबार और व्यवसाय के प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही रोजगार मेले भी आयोजित किए जाते रहे। जिनके जरिए सरकारी और निजी, दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता के साथ ही बैंकों से कर्ज भी आसान दर पर दिलवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की इन योजनाओं को लागू करने में सरकार ने श्रीलंका और कोलंबिया जैसे देशों में अपनाई गई पुनर्वास नीतियों का भी असर है। दरअसल वहां की योजनाओं के अध्ययन के बाद उन्हें भारतीय संदर्भ में तैयार किया गया है। अब तक आदिवासियों से केंद्रीय नेतृत्व बात करने से बचता रहा है। लेकिन अमित शाह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के साथ संवाद स्थापित करने पर जोर दिया है। इसकी शुरूआत उन्होंने छत्तीसगढ़ में महुआ के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर की, जहां उन्होंने खुद ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उन्हें सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी को मिल रहा 50% सपोर्ट, ट्रूडो को लग सकता है झटका

(एजेन्सी)।

कनाडा। कनाडा अपने संघीय चुनाव वर्ष में प्रवेश कर रहा है, प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी को आगे एक कठिन राह का सामना करना पड़ रहा है, विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी को लगभग 50% समर्थन मिल रहा है। कंजर्वेटिव समर्थन में इस उछाल के साथ-साथ ट्रूडो के इस्तीफे की मांग उनकी अपनी पार्टी और विपक्ष दोनों से बढ़ रही है। यदि अविश्वास मत उत्पन्न होता है, तो कनाडा का अगला आम चुनाव अक्टूबर 2025 या उससे पहले निर्धारित है। 31 दिसंबर को जारी नैनोस रिसर्च के नवीनतम सर्वेक्षण में कंजर्वेटिवों को सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी पर 26 अंकों की बढ़त के साथ दिखाया गया है। सर्वेक्षण 46.6% पर कंजर्वेटिव समर्थन का संकेत देता है, एक ऐसा स्तर जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से अगले हाउस ऑफ कॉमन्स में सर्वोच्च बहुमत मिल सकता है यदि ये संख्याएं बरकरार रहती हैं।

उदारवादियों पर 26 अंकों की बढ़त के साथ रूढ़िवादी समर्थन एक नई दीर्घकालिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। यह ट्रूडो के पद छोड़ने की मांग के साथ हुआ है। नैनोज रिसर्च के मुख्य डेटा वैज्ञानिक निक नैनोज ने कहा कि नौकरियों/अर्थव्यवस्था के बारे में चिंता भी चार साल के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। ट्रूडो की स्थिति लगातार अनिश्चित होती जा रही है, क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के भीतर से उनके इस्तीफे की मांग बढ़ रही है। कनाडा की आर्थिक और कूटनीतिक चुनौतियों पर असंतोष के कारण उनके नेतृत्व की गहन जांच की जा रही है। उप प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड के अचानक इस्तीफे के साथ ट्रूडो के इस्तीफे की मांग तेज हो गई।

गाजा पर इजरायल का सबसे घातक हवाई हमला, बच्चों समेत 18 की मौत

(एजेन्सी)।

फिलिस्तीनी और अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 18 लोग मारे गए, जिनमें तीन बच्चे और हमास द्वारा संचालित पुलिस बल के दो उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल थे। गुरुवार तड़के एक हमले में इजरायल द्वारा घोषित मानवीय क्षेत्र मुवासी में एक तंबू पर हमला हुआ, जहां सैकड़ों हजारों विस्थापित लोग ठंड और बरसात के सर्दियों के दौरान तंबू में शरण ले रहे हैं। एक अन्य हमले में मध्य गाजा पट्टी में कम से कम आठ फि लिस्तीनी मारे गए। शव प्राप्त करने वाले अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, मृतक स्थानीय समितियों के सदस्य थे जो सहायता काफिलों को सुरक्षित रखने में मदद करते थे। हमलों पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। युद्ध हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों के 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमले से भड़का था। उन्होंने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें अधिकतर नागरिक थे, और उस दिन लगभग 250 लोगों का अपहरण कर लिया। लगभग 100 बंधक अभी भी गाजा के अंदर हैं, जिनमें से कम से कम एक तिहाई को मृत माना जाता है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल के हमले में गाजा में 45,000 से अधिक फि लिस्तीनी मारे गए हैं, उनका कहना है कि मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे हैं। अधिकारी अपनी संख्या में नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करते हैं। इजरायली सेना ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में हमले में हमास के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के एक वरिष्ठ सदस्य को निशाना बनाया, फिलिस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि तीन बच्चों सहित नौ अन्य लोग मारे गए।

रोहित शर्मा बैठ सकते हैं बाहर

(एजेन्सी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला शुक्रवार 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इस मैच से ठीक पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन से बाहर हो सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, रोहित शर्मा ने खुद को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने का फैसला किया है। जिसके बाद उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभालेंगे।

वहीं रोहित शर्मा के सिडनी टेस्ट से बाहर होने पर टीम पर इसका कितना असर पड़ता है ये बड़ा सवाल है? दरअसल, रोहित शर्मा लंबे समय से टीम इंडिया की टेस्ट कप्तानी कर रहे थे और सिडनी टेस्ट भारत के लिए अहम है। इस टेस्ट को जीतकर भारत सीरीज मं 2-2 की बराबीर कर सकता है। इस अहम मुकाबले से ठीक पहले रोहित ने खुदको मैच से बाहर कर लिया और ऐसा शायद उन्होंने अपने प्रदर्शन को ध्यान में रखकर किया होगा। वैसे भी रोहित जब पहले टेस्ट में नहीं थे तो भी बुमराह ने टीम की कमान संभाली थी और टीम को जीत भी मिली थी। अब शायद बुमराह की कप्तानी में फिर से इस टेस्ट मैच को जीत ले और बराबरी कर ले। भारत ने सिडनी में साल 1978 के बाद कोई टेस्ट मैच नहीं जीता है ऐसे में भारत के पास 46 साल पुराने इतिहास को बदलनेका सुनहरा मौका है। सिडनी टेस्ट मैच से रोहित के बाहर होने के बाद अगर टीम इंडिया पर कितना असर होगा इसके बारे में बात करें तो इसमें कोई शक नहीं है कि रोहित की कमी टीम को खलेगी। लेकिन भारत के इस स्थिति के कभी ना कभी तो दो-चार होना पडेगा। 37 वर्षीय रोहित अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर भी हैं। उनके बाद टीम की कप्तानी फिलहाल टेस्ट में बुमराह को ही मिलेगी लेकिन उन्हें भी अनुभव की जरूरत है। अगर वो अभी भी तैयार होंगे तो भारत केलिए ये अच्छा रहेगा।

केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), मोहम्मद सिराज।

गौतम गंभीर की होगी छुट्टी!

(एजेन्सी)। कई दिनों से टीम इंडिया के अंदर आपसी फूट का विषय खूब चर्चा में है। सबसे ज्यादा हेड कोच गौतम गंभीर पर उठ रहे हैं क्योंकि 10 साल के बाद उन्हीं की कोचिंग में भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जीत दर्ज नहीं कर पाएगी। इससे पहले गंभीर के अंडर ही भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज हारी थी। वहीं न्यूजीलैंड हाल ही में भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने वाली टीम बनी थी। अब एक रिपोर्ट अनुसार गंभीर के पास खुद को साबित करने के लिए सिर्फ 66 दिन बचे हुए हैं। इस खराब कोचिंग रिकॉर्ड के बीच ढळक के हवाले से इउउकके एक सूत्र ने बताया है कि अगर चैंपियंस ट्रॉफी तक टीम इंडिया के प्रदर्शन में सुधार नहीं होता है तो गंभीर को हेड कोच पद से हटाया भी जा सकता है। सूत्र ने बताया कि, अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला जाना है और फिर चैंपियंस ट्रॉफी खेली जाएगी। अगर तब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार नहीं आता है तो गंभीर का हेड कोच पद भी सुरक्षित नहीं रहेगा। चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल सामने आ चुका है, जिसकी शुरूआत 19 फरवरी को होगी और फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा। भारतीय टीम के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुंबई में खेले जाएंगे, वहीं अन्य टीमों के मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे।

एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों में वाई फाई सर्विस की शुरूआत की

(एजेन्सी)।

एयर इंडिया समय समय पर ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए अपनी सर्विस में अपग्रेड करती रहती है। देश के हवाई यात्रियों की पहली पसंद बनने वाली एयर इंडिया ने एक बार फिर से यात्रियों को शानदार तोहफा नए साल पर दिया है। एयर इंडिया में ट्रैवल करने वाले यात्रियों को अब घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में वाई फाई इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। टाटा ग्रुप की एयरलाइन घरेलू रूट पर भी इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने वाली देश की पहली एयरलाइन बनी है। इस उपलब्धि पर एयरलाइन ने कहा कि यह सेवा सीमित प्रारंभिक अवधि के लिए घरेलू उड़ानों के यात्रियों के लिए फ्री में उपलब्ध रहेगी।

वहीं इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की मानें तो एयरलाइन ने ये साफ नहीं किया है कि फ्री सेवा की ये अवधि कितने समय तक के लिए मान्य है। एयरलाइन का इरादा है कि अपने अन्य विमानों पर भी धीरे-धीरे यह सेवा शुरू की जाए। जानकारी के मुताबिक शुरूआती तौर पर फ्री वाई फाई कनेक्टिविटी की सुविधा एयरलाइन अपने एयरबस ए350, बोइंग 787-9 और कुछ एयरबस ए321 नियो विमानों देने वाली है। एयरलाइन्स की अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में पहले से ही चल रहे पायलट कार्यक्रम के तहत यात्रियों को इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जा रही है।

ये सेवाएं, विशेष रूप से वैश्विक स्तर पर प्रमुख पूर्ण-सेवा वाहकों के बीच, एक मानक पेशकश बनती जा रही हैं। नए ए350 विमानों के अलावा, जिनका परिचालन एयरलाइन 2024 में शुरू करेगी, अन्य विमान पूर्ववर्ती विस्तारा का हिस्सा हैं, जिसका नवंबर 2024 में एयर इंडिया में विलय हो जाएगा। ये सभी विमानवाहक विशेष हार्डवेयर से सुसज्जित हैं जो विमान में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए आवश्यक हैं।

अरमान मलिक ने अपनी मंगेतर आशना श्रॉफ के साथ शादी की

(एजेन्सी)। बॉलीवुड के नामी गायक अरमान मलिक ने अपनी मंगेतर आशना श्रॉफ के साथ शादी रचाकर 2025 की शानदार शुरूआत की। जोड़े ने अपने खास दिन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर दी है। तस्वीरों में, दूल्हा और दुल्हन पीच और नारंगी रंग के आउटफिट पहने शादी की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं। कैप्शन में, अरमान ने लिखा, 'तू ही मेरा घर।' अपने खास दिन के लिए आशना ने पारंपरिक लाल और सुखदायक पेस्टल रंगों को छोड़कर मनीष मल्होत्रा के एक शानदार नारंगी रंग के लहंगे को चुना, जिसमें वह दुल्हन के रूप में बहुत सुंदर लग रही थीं। उन्होंने अरमान की पीच रंग की शेरवानी से मैच करने के लिए कंधे और सिर पर पेस्टल पीच दुपट्टा डाला था। इसके अलावा आशना ने पारंपरिक चूड़े के बजाय पेस्टल पीच चूड़ियों, भव्य पोल्की गहने, ओसदार नग्न ग्लैमर और एक चिकना बन के साथ अपने दुल्हन लुक को कम्पलीट किया। अरमान और आशना की शादी की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है। बॉलीवुड सितारे और फैंस जोड़े को बधाई देते नहीं थक रहे हैं। अभिनेत्री सोफी चौधरी ने लिखा,'हे भगवान! आप लोगों को बधाई! भगवान भला करे।' प्रशंसकों में से एक ने लिखा, 'मेरा दिल इतना भर गया है कि मैं रो रहा हूं।' एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, 'खुशी के आंसू।' एक तीसरे यूजर ने कहा, 'एल्बम रिलीज होने के बाद आज सुबह मुझे पता चल गया था, मुझे पूरा यकीन था, इस बार हम अरमानियन आपको पकड़ लेंगे!'

कान साफ करने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा

इसके लिए आप आधा चम्मच बेकिंग सोडा को 60 मि.ली पानी में मिला लें। फिर इस घोल को ड्रॉपर में डालें। इसके बाद 5-10 इसकी बूंदे कान में डालें। कान को एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। सिर को आप नीचे की तरफ ही झुका कर रखें। फिर कॉटन के कपड़े से मैल और पानी दोनों साफ कर दें।

बेबी ऑयल

ड्रॉपर में आप बेबी ऑयल डालें। फिर इसकी 3-4 बूंद कान में डालकर कॉटन से कान बंद कर दें। 5 मिनट के बाद कॉटन को निकाल दें। ऐसा आप दिन में दो बार भी कर सकते हैं। ऐसा करने से वैक्स बाहर आ जाता है।

लहसुन

इसके लिए आप लहसुन की 3-4 कलियां लें। फिर गैस पर एक पैन में नारियल तेल गरम करें। फिर इसमें कुटा लहसुन डाल दें। लहसुन के हल्का भूरा होने के बाद गैस बंद कर दें। इसके बाद तेल के गुनगुना होने पर इसकी कुछ बूंद कान में डालें और कॉटन से कान बंद कर दें।

बादाम तेल

कान साफ करने के लिए बादाम तेल अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप बादाम तेल गुनगुना करें। फिर ड्रॉपर में तेल डालें और इसकी 3-4 बूंद का में डाल दें। कुछ देर बाद वैक्स नरम होकर बाहर निकल आएगा।

कहीं ये फैशन आपको बीमार तो नहीं बना रहा?

ऐसी हिदायतें दी जाती रही हैं कि फैशनेबल पहनावा आपके उठने-बैठने और चलने पर असर डालने के साथ-साथ पीठ और गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है। ब्रिटिश काइरोप्रैक्टिक एसोसिएशन (बीसीए) के अनुसार, बेहद टाइट यानी स्किनी जींस, हाई हील्स और हैंड बैग हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि चार्टर्ड सोसाइटी ऑफ फिजियोथेरेपी और अन्य विशेषज्ञों द्वारा इस आशंका को खारिज भी किया जाता रहा है। यहां उन पांच पहनावों के बारे में बात हो रही है, जो बीसीए के अनुसार हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्किनी जींस :

बीसीए का दावा है कि स्किनी जींस हमारी कार्यशीलता को कम कर देती है। इसके अनुसार, 'ऐसे पहनावे आपके जोड़ों पर दबाव पैदा करते हैं और इससे छलांग लगाने की क्षमता और चहलकदमी के दौरान झटके सहन करने की प्राकृतिक शक्ति कम हो सकती है।'

बड़े बैग :

बीसीए का दावा है कि भारी बैग, महिलाओं में पीठ के दर्द का सबसे मुख्य कारण है। इसके अनुसार, हमें कोहनी में फंसा कर बैग लेकर चलने से बचना चाहिए क्योंकि इसके भार से उस कंधे पर अधिक जोर पड़ता है और वो दूसरे की तुलना में झुक जाता है।

बड़े हुड वाले कोट :

बीसीए का दावा है कि सिर पर बड़े आकार के फर वाले गरम कोट पहनने से बचना चाहिए क्योंकि आस-पास देखने के दौरान इससे गर्दन पर जोर पड़ता है।

हाई हील्स :

बीसीए का दावा है कि हाई हील्स हमें शरीर को एक खास स्थिति में रखने को मजबूर करता है जिससे रीढ़ की हड्डी में तनाव पैदा होता है।

बैकलेस जूते :

बीसीए का दावा है कि ऐसी चप्पलें जिनके पीछे का हिस्सा खुला होता है यानी एड़ी की ओर सपोर्ट नहीं होता है, उनसे पैरों और गर्दन के नीचे तनाव पैदा होता है। बीसीए की हिदायत है कि जरूरत से ज्यादा बड़ी बांह, भारी भरकम ज्वैलरी और टेढ़े-मेढ़े किनारे वाले वस्त्र भी पहनने वालों के लिए समस्या पैदा कर सकते हैं।

क्या आप गुड़हल फूल की चाय के बारे में जानते हैं?

आजतक आपने कई तरह के फ्लेवर की चाय पी होगी, लेकिन चाय की दुनिया में बीमारियों से लड़ने वाली गुड़हल फूल की चाय को शायद ही कभी ट्राय की होगी. लाल रंग के उस फूल को हम अक्सर पूजा-पाठ और घर की सजावट के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप इसे अपनी डायट का भी हिस्सा बना सकते हैं, क्योंकि यह चाय आपकी सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद है.

इस चाय के कई फ़ायदे हैं

गुड़हल फूल की चाय यानी हिबिस्कस टी में कैलोरी प्राकृतिक रूप से कम होती है और यह पूरी तरह से कैफीन मुक्त है. गुड़हल के फूल में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, सोडियम और ज़िंक सहित कई और मिनरल्स के साथ विटामिन्स और फ़ाइबर पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर, मानसिक तनाव, कोलेस्टेरॉल संतुलित करने और कैंसर, लिवर की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं.

ब्लडप्रेशर संतुलित रखने में मदद

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट की मानें तो, इस चाय के सेवन से हाई और लो, दोनों तरह के ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करने और संतुलित रखने में मदद मिलती है. जरनल ऑफ़ एथनोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार गुड़हल में ऐंटी-हाइपरटेंसिव और कॉर्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और हृदय संबंधित बीमारियों से परेशान मरीजों के लिए फ़ायदेमंद सबित होता है.

वज़न कम करने में सहायक

गुड़हल की चाय वज़न कम करने में काफ़ी मददगार साबित होती है. गुड़हल में भरपूर मात्रा में ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने का काम करता है. इसके साथ ही इसमें फ़ाइबर की मात्रा भी पाई जाती है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखकर वज़न कम करने में मदद करता है.

कम करता है तनाव

विटामिन, मिनरल्स और ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स गुणों से भरपूर गुड़हल की चाय तनावमुक्त रखने और मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार साबित होती है.

पीरियड के दर्द से राहत

गुड़हल चाय पीरियड के दौरान पेट में होने वाली ऐंठन और दर्द से राहत दिलाती है. इसके साथ ही यह हॉर्मोन्स को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे मूड स्विंग्स और डिप्रेशन में आराम मिलता है.

प्यास बुझाने का भी काम करती है

गुड़हल फूल की चाय का इस्तेमाल स्पोर्ट्स ड्रिंक के रूप किया जाता है. खेल के दौरान इसे कोल्ड टी के रूप में सर्व किया जाता है. इस चाय को लोग अपनी डायट में इसलिए शामिल करते हैं, क्योंकि यह शरीर को बहुत जल्दी ठंडक पहुंचाने में सक्षम है.

कैसे बनाएं गुड़हल की चाय?

गुड़हल की चाय आपकी सेहत के लिए काफ़ी फ़ायदेमंद है, लेकिन इसके लिए काफ़ी ध्यान देने की ज़रूरत है. गुड़हल के सूखे फूल आप किसी भी नज़दीकी स्टोर या ऑनलाइन पोर्टल से ख़रीद सकते हैं, लेकिन अगर यह पूरी तरह से नैचुरल हो, तो ज़्यादा फ़ायदेमंद साबित हो सकती है. चाय बनाते समय इसमें गुड़हल फूल के साथ लौंग, दालचीनी और अदरक भी डाल सकते हैं.

पहली बार क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो सावधान!

क्रेडिट कार्ड होता क्या है? क्या यह डेबिट कार्ड से अलग होता है? ऐसे ही कई सवाल पहली बार क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करनेवालों के मन में आता है. असल में क्रेडिट कार्ड का मतलब होता है, अभी ख़रीदें, बाद में भुगतान करें. जबकि डेबिट कार्ड से आप अपने अकाउंट में वर्तमान समय में मौजूद पैसों का ही इस्तेमाल कर सकते हैं. क्रेडिट कार्ड आपको 2 से 6 सप्ताह तक बिना ब्याज के कर्ज़ देता है.

- क्रेडिट कार्ड्स का इस्तेमाल आकर्षक ऑफ़र्स, कैश बैक्स, स्कीम्स और ईएमआई पर चीज़ें लेने के लिए खासतौर पर किया जाता है. क्रेडिट कार्ड से खरीददारी करने पर आपको कुछ रिवॉर्ड पॉइंट्स भी मिलते हैं, जिनका इस्तेमाल आप आगे चलकर कुछ खरीदते समय इस्तेमाल कर सकते हैं. निरंजन उपाध्ये, जनरल मैनेजर, फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट, वर्ल्डलाइन इंडिया हमें क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने की शुरुआत करने पर कुछ बातों को समझने और कुछ बातों को ध्यान में रखने की सलाह दे रहे हैं.
- कार्ड को कैश की तरह ही इस्तेमाल करें. क्रेडिट कार्ड आपको आज शॉपिंग कर कल भुगतान करने का विकल्प देता है, जिससे बहुत मुमकिन है कि आप जरूरत से ज़्यादा खर्च कर दें. अपने खर्चों को संयमित रखने के लिए क्रेडिट कार्ड के हर बिल को ध्यान से समझें.
- आपको अपने कार्ड की सुरक्षा को लेकर हमेशा ही सतर्क रहना चाहिए. किसी और को अपना कार्ड कभी न दें. कार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी कभी भी फोन या इंटरनेट के माध्यम से शेयर न करें.
- कार्ड नंबर और कस्टमर केयर का नंबर हमेशा फ़ोन में सेव रखें. ताकि किसी भी गड़बड़ी का पता लगते ही, आप तुरंत ही संबंधित अथॉरिटी को सूचित कर सकें और कार्ड ब्लॉक करवा सकें.
- अपने डेबिट, क्रेडिट, इत्यादि कार्ड्स का पिन एक जैसा न रखें. हर कार्ड के लिए अलग-अलग पिन रखें. इसके अलावा आसानी से गेस कर सकने योग्य पिन नंबर न रखें. बर्थडे, एनवर्सरी, कार का नंबर प्लेट इत्यादि को अपना पिन नंबर भूलकर भी न बनाएं.
- जब भी कार्ड इस्तेमाल कर रहे हों, ध्यान रखें कि आपका पिन कोई देख न रहा हो. पिन एंटर करते वक़्त हमेशा अपने एक हाथ से नंबर पैड को ढके रखें.
- यदि आपको लगता है कि कोई आपके पिन को देख रहा है या फिर किसी तरह की गड़बड़ी का एहसास हो, तो तुरंत पिन बदल लें.
- हर महीने मेल पर या घर पर आनेवाले स्टेटमेंट्स को ध्यान से पढ़ें. यदि आपको लगे कि कोई ट्रैन्जैक्शन आपने नहीं किया है, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क कर उन्हें इसकी जानकारी दें. छोटे-मोटे चार्जेस को भी समझें और अपने बैंक से जानें कि इसे क्यों काटा गया है. फिर भले ही बात कुछ रुपयों की ही क्यों न हो.

तो सात दिन में बढ़ जाएगी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता...

रोग प्रतिरोधक क्षमता हमें कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है. छोटी-मोटी ऐसी कई बीमारियां होती हैं जिनसे हमारा शरीर खुद ही निपट लेता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर बीमारियों का असर जल्दी होता है. ऐसे में शरीर कमजोर हो जाता है और हम जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं. हमारा इम्यून सिस्टम हमें कई तरह की बीमारियों से सुरक्षति रखता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता कई तरह के बैक्टीरियल संक्रमण, फंगस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है. इन बातों से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि इम्यून पावर के कमजोर होने पर बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है.

- ग्रीन टी और ब्लैक टी, दोनों ही इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होती हैं लेकिन एक दिन में इनके एक से दो कप ही पिएं. ज्यादा मात्रा में इसके सेवन से नुकसान हो सकते है।
- कच्चा लहसुन खाना भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में सहायक होता है. इसमें पर्याप्त मात्रा में एलिसिन, जिंक, सल्फर, सेलेनियम और विटामिन ए व ई पाएं जाते है।
- दही के सेवन से भी इम्यून पावर बढ़ती है. इसके साथ ही यह पाचन तंत्र को भी बेहतर रखने में मददगार होती है.
- ओट्स में पर्याप्त मात्रा में फाइबर्स पाए जाते हैं. साथ ही इसमें एंटी-माइक्राबियल गुण भी होता है. हर रोज ओट्स का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है।
- विटामिन डी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है. इससे कई रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है. साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए और दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखने के लिए भी विटामिन डी लेना बहुत जरूरी है।
- संक्रामक रोगों से सुरक्षा के लिए विटामिन सी का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है. नींबू और आंवले में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुरुस्त रखने में मददगार होता है.

बेडरूम सजाने के टिप्स

दिनभर की भागदौड़ के बाद एक अच्छा और सजा हुआ बेडरूम आपकी थकान को अनायास ही कम कर देता है. ऐसे में बेडरूम को सही तरीके से सजाना बहुत जरुरी है. मुंबई जैसे शहर में बड़ा घर खरीदना एक सपना होता है. घर चाहे बड़ा हो या छोटा उसे सही तरीके से सजाना बहुत आवश्यक है, क्योंकि खुद से सजाया गया बेडरूम एक अलग एहसास करवाता है. इतना ही नहीं अगर आपने एक नया घर लिया है और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बेडरूम को कैसे सजाएं, तो ये जानकारी आपके लिए कारगर सिद्ध होगी.

- बेड को बेडरूम में सही तरह से सजाना एक कला है, इसके लिए सही आकार के बेड को चुने, जो कमरे में रखने के बाद थोड़ी जगह बचे.
- किसी भी सामान को बाहर न रखना पड़े इसके लिए बेड में बौक्स का प्रोविजन रखें.
- दीवारों के रंग के आधार पर बेड लें, क्योंकि इससे कमरा साफ सुथरा और आराम दायक लगेगा, अपनी पसंद के आकार का बेड खरीदने के लिए आप औनलाइन का सहारा ले सकती हैं.
- आरामदायक गद्दे का चयन बेड के लिए करें, जो न तो अधिक मुलायम हो और न ही अधिक सख्त, ताकि आपके पीठ को आराम मिले और सुकून की नींद आयें.
- बेड को सजाने के लिए डेकोरेटिव तकिये, अच्छी क्वालिटी के चद्दर, चिक और शम्स का प्रयोग करें, तकिये का आकार भी बेड के अनुसार चुनें, आजकल तकिये अलग-अलग आकार के मिलते हैं, अपनी पसंद के अनुसार दो या तीन आकार के चुनें.
- बेड के चद्दर हमेशा हल्के रंग के दीवारों से मेल खाते हुए लें, अगर आपका कमरा छोटा है, तो बड़े प्रिंट और गहरे रंग वाले चद्दर कभी न लें, थोड़ी सी कढ़ाई या मोटिफ्स इसे आकर्षक बनाती है.
- पांव के नीचे चद्दर से मेल खाते हुए ब्लैंकेट रखे, जो आपके बेड को अलग तरह की खूबसूरती प्रदान करते हैं, ये बाजार में अलग-अलग फेब्रिक्स में मिलते हैं, इसके अलावा नींद से उठने के बाद बेड को कवर करने के लिए बेड स्प्रेड अवश्य रखें.
- बेडरूम में बेड ही पूरी जगह को घेर लेता है, ऐसे में आस-पास के बचे हुए स्थान में साइड टेबल, थोड़ी सी हल्की फर्नीचर रख सकती हैं, जिसपर बैठकर आप किताब पढ़ कर मूड को फ्रेश कर सकती हैं, इसके अलावा साइड टेबल पर कुछ डेकोरेटिव आइटम या फ्लावर पौट रखकर उसकी शोभा और बढ़ा सकती हैं.
- लाइट का सही प्रयोग बेडरूम में करना बहुत जरुरी है, अधिक भड़कीली लाइट का प्रयोग बेडरूम में कभी न करें, येलो लाइट या डिम लाइट का प्रयोग बेडरूम में सही रहता है, मध्यम रौशनी में बेडरूम रोमांटिक हो जाता है.
- अधिक सामानों से बेडरूम को कभी भरे नहीं, बल्कि कम से कम सामान रखकर बेडरूम को हमेशा साफ सुथरा रखें. इसके अलावा बेडरूम की सजावट में मौसम भी मुख्य भूमिका निभाता है. गर्मियों में सौ प्रतिशत सूती, लिनेन, टेंसल फेब्रिक के चद्दर का प्रयोग करें, ये चद्दर धोने और बिछाने के लिए काफी अच्छे होते हैं. मानसून में नमी युक्त मौसम होने की वजह से ऐसी चद्दर की जरुरत पड़ती है जो जल्दी सूख जाये, ऐसे में कौटन और पौलिएस्टर मिश्रित चद्दर लेना फायदेमंद होता है. जाड़े में जब पारा नीचे गिरता है, तब गर्म और आरामदायक बिस्तर सबको आकर्षित करता है. फलालैन के चद्दर इस मौसम में काफी गर्मी प्रदान करते हैं जो एक अच्छी और सुकून की नींद देते हैं.

खोई हुई चमक योग से प्राप्त करें!

शरीर के तरल पदार्थों में असंतुलन, रक्त संचार, व्यायाम न करना और तनाव जैसे विभिन्न कारणों से भी त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके असंख्य स्वास्थ्य लाभों के अलावा, योग त्वचा को सुंदर बनाने में भी मदद करता है। रोजाना योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है और पसीना, सांस-कसरत के माध्यम से आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करता है।

चेहरे के रक्त के प्रवाह को बढ़ाएं

आगे की ओर झुकें और हाथों को मुक्त छोड़ दें। ये पोज़ रक्त को आपके सिर तक पहुँचाने में मदद करते हैं, उम्र बढ़ने के प्रभाव को उलट देते हैं, और आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीजन का कायाकल्प बढ़ावा देते हैं।

झुर्रियों को खत्म करें

योग आपकी त्वचा को भी हल्का और चिकना बनाता है, जैसा कि आप माथे की मांसपेशियों और अपनी आँखों के आसपास काम करते हैं जो आपके प्रदर्शन पर प्रभाव को मिटाने में मदद करता है। जब आप लयों, वी, और मुस्कुराते चेहरों की तरह चेहरे के योग का अभ्यास करते हैं, तो यह परिसंचरण, आराम की मांसपेशियों और तनाव को कम करके आपके माथे की झुर्रियों को कम करने में मदद करता है।

दमकती त्वचा

मारीचसाना, धनुरासन, और हलासन जैसे अधोमुखी मुद्राएं मंदता को कम करती हैं और मुँहासे को साफ करती हैं, जो उस अद्भुत युवा दिखने वाली चमक को फैलाती हैं और आपके रंग में काफी सुधार करती हैं।

चेहरे की चर्बी कम करें

एक समय में, आप अपने गाल और चेहरे की चर्बी को कम करना पसंद करेंगे। गाल, होंठ और जबड़े के लिए योग मुद्रा आपकी त्वचा को कसने और चेहरे की चर्बी को कम करने में आपकी मदद कर सकती है। गाल वर्कआउट सबसे आसान वर्कआउट है जिसे आप अपने चेहरे की मांसपेशियों, गालों और होंठों को टोन और मजबूती देने के लिए कहीं भी कर सकते हैं। उनमें से कुछ वी, मुस्कुराते हुए आदि हैं।

काले घेरे दूर करें

उन काले घेरों को दूर करने का प्राकृतिक तरीका है हस्तपादासन, सम्भवी मुद्रा, और सूर्य नमस्कार।

बालों का बढ़ना

योग सभी प्रकार के बालों और खोपड़ी की समस्याओं के इलाज में भी अत्यधिक सक्षम है। यदि आप बालों के झड़ने की समस्या से पीड़ित हैं, तो आप वास्तविक परिणामों के लिए विभिन्न योग बन सकते हैं।

आज की रेसिपी

टेस्टी अमचूरी करेला

बहुत कम लोगों को करेला पसंद होता है। ऐसे में आज हम आपको करेला की टेस्टी रेसिपी बताएंगे। यह डिश हर किसी को पसंद आएगी। यह खाने में काफी टेस्टी होती है। इसके साथ ही यह बनाने में भी काफी आसान होती है।

सामग्री :

- करेला - 1/2 किलो
- प्याज (बारीक कटा हुआ) - 1
- राई - 1/2 चम्मच
- सौंफ - 1 चम्मच
- हल्दी - 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 1/2 चम्मच
- अमचूर पाउडर - 2 बड़े चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- पानी - जरूरत के अनुसार
- तेल - जरूरत के अनुसार

विधि :

- इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले करेले को हल्का-सा छीलकर छोटे टुकड़ों में काटें।
- फिर करेले के टुकड़ों को एक बड़े कटोरे में रखें और इसमें 1 बड़ा चम्मच नमक और तीन कप पानी डालकर आधा घंटे के लिए भिगोकर रख दें।
- अब करेले को पानी से निकालें और निचोड़कर अलग बर्तन में रखें।
- इसके बाद मीडियम आंच पर एक पैन में तेल गर्म करके इसमें सौंफ और राई डालकर तड़काएं।
- फिर अब इसमें प्याज को अच्छे से फ्राई कर लें।
- इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर का पेस्ट तैयार कर लें।
- फिर अब मसाले में करेले और नमक डालकर 10-15 मिनट के लिए ढक दें।
- तय समय के बाद करेले में अमचूर पाउडर डालें और इसे अच्छे से मिलाएं।

युवा नशे से रहे दूर, अपनी ऊर्जा का सही दिशा में करें इस्तेमाल

नशे की रोकथाम के लिए आमजन की भागीदारी बहुत जरूरी: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, इसे जड़ से खत्म करने के लिए आमजन की भागीदारी बहुत जरूरी है। विशेषकर युवाओं को स्वयं भी नशे से दूर रहना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को भी नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करना चाहिए। सभी युवा अपनी ऊर्जा का सही दिशा यानि खेलों एवं शिक्षा आदि में इस्तेमाल करके अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

जिला कैथल डीसी प्रीति।

डीसी प्रीति ने कहा कि नशे की वजह से कुछ युवा न केवल अपना करियर बर्बाद कर रहे हैं बल्कि अभिभावकों की उम्मीदों को भी धूमिल कर रहे हैं। नशे से किसी का भला नहीं हुआ, नशे में युवा न केवल अपना नाश करता है बल्कि परिवार भी इसका शिकार होता है। नशा करने से न केवल शारीरिक नुकसान होता है, बल्कि आर्थिक व सामाजिक नुकसान भी होता है। कभी शौक और कभी गलत संगत भी नशे की गर्त में युवा पीढ़ी को धकेल रही हैं, बुरे लोगों की संगत में पड़कर अधिकांश बच्चे बुरी आदतों व नशे की लतों का शिकार हो जाते हैं। इसलिए अभिभावकों को अपने बच्चों का ध्यान रखना चाहिए और उन्हें समय देना चाहिए।

उन्होंने ने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ नशे की लत लगे लोगों को उपयुक्त इलाज देकर उन्हें फिर से मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में भी सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं।

नशे की लत को छुड़वाने के लिए नशा मुक्ति केंद्र खोले गए हैं। नशे सहित सामाजिक बुराइयों को दृढ़ संकल्प एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से खत्म जा सकता हैं। इसके साथ ही पुलिस विभाग द्वारा भी नशा बेचने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी बुराई से दूर रहें और नशे की बुराई के प्रति अपने आस पास के लोगों को भी जागरूक करने का कार्य करें।

ग्रामीण स्तर पर अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में सहकारी समितियों की रही विशेष भूमिका: हरप्रीत सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। हरको बैंक के डायरेक्टर हरप्रीत सिंह विर्क ने चंडीगढ़ में हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हरको बैंक के चेयरमैन के साथ विभिन्न मांगों पर चर्चा की। इस दौरान हरको बैंक के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन भी मौजूद रहे। बैठक के बाद हरको बैंक के डायरेक्टर हरप्रीत सिंह विर्क ने बताया कि ब्रांच मैनेजरों की प्रमोशन लंबे समय से लंबित पड़ी हुई थी। करनाल जिले में 6 ब्रांच मैनेजरो की प्रमोशन की गई है। उन सभी को डीओ नियुक्त किया गया है। ब्रांच मैनेजरो की प्रमोशन को लेकर डायरेक्टर हरप्रीत सिंह ने हरको बैंक के चेयरमैन हुकम सिंह भाटी व बोर्ड का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में सहकारी समितियों की विशेष भूमिका रही है। सहकारी समितियों का देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जे.डी. इंटरनेशनल स्कूल में जागृति समारोह बड़े ही उल्लास और उत्साह के साथ मनाया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। सफीदों रोड स्थित जे.डी इंटरनेशनल स्कूल में जागृति समारोह बड़े ही धूमधाम, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का विद्यालय के चेयरमैन एस के भारद्वाज, डायरेक्टर विजय भारद्वाज व प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। जागृति थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वागत गीत और सरस्वती वंदना के साथ समारोह प्रारंभ किया गया। जागृति समारोह में प्रस्तुत कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में फैली बुराईयों को दशार्या गया । नन्हे मुन्हे बच्चों द्वारा अपना हर दिन ऐसे जियो नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मेधावी छात्रों को शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार दिए गए।

विद्यार्थियों ने विज्ञान और गणित के मॉडल और कला अभिव्यक्तियों की प्रदर्शनी भी लगाई जिसे मुख्य अतिथि और अभिभावकों ने खूब सराहा। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि पहले से ही छात्रों को पाठ्येतर और सह पाठ्यचर्या गतिविधियों में तैयार करने में जे.डी इंटरनेशनल स्कूल ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि एक छात्र का मुख्य कर्तव्य माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की प्रगति वहां की शिक्षा के स्तर और गुणवत्ता पर निर्भर करती है। विद्यालय के चेयरमैन एस.के भारद्वाज ने कहा कि जे.डी इंटरनेशनल स्कूल अपने क्षेत्र का एक ऐसा विद्यालय है जो बच्चों के माता-पिता की उम्मीदों पर खरा उतरता है। विद्यालय के डायरेक्टर विजय भारद्वाज ने मुख्य अतिथि, अभिभावकों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि स्कूल की हर गतिविधि में भाग लेना हर विद्यार्थी का कर्तव्य है। इससे बहुत कुछ सिखने को मिलता है।

चेयरमैन एस.के भारद्वाज, डायरेक्टर विजय भारद्वाज व प्रिंसिपल संजीव कुमार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

समाधान शिविर में आई शिकायतों का गंभीरता से समयबद्ध निपटान करें अधिकारी-डीसी

जिले के समाधान शिविरों में आई 15 शिकायतें, 14 का हुआ मौके पर समाधान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। सभी अधिकारी शिविर में आने वाले लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका प्राथमिकता के आधार पर हल करें। समाधान शिविर प्रदेश सरकार की अच्छी पहल है। इन शिविरों के माध्यम से एक ही छत के नीचे सभी विभागों के अधिकारी बैठकर लोगों की समस्याओं का निवारण करते हैं, इसलिए हर कार्य दिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर लघु सचिवालयों में लगाए जा रहे।

जिले के सभी समाधान शिविरों में कुल 15 शिकायतें आई, जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में नौ शिकायतें आई, जिनमें से आठ का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। गुहला एसडीएम कार्यालय में छह शिकायतें प्राप्त हुई, जिनका मौके पर ही समाधान कर दिया गया। कलायत एसडीएम कार्यालय में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से एनडीसी लेने, नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों आती हैं। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। सरकार के निदेशानुसार जरूरतमंद लोगों को पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने आमजन से आह्वान किया वे इन शिविरों का लाभ उठाए और अपनी शिकायत से संबंधित दस्तावेज जरूर साथ लेकर आएं।

राजौंद की ट्रेक्टर ट्राली मुनक नहर में हुई दुर्घटना ग्रस्त

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के प्रजापति रमेश व ड्राईवर काला की ईंट से भरी ट्राली व ट्रेक्टर मुनक नहर (पानीपत) में गिरने की दुखद सूचना से नगर राजौंद में मातम छा गया। घटना वीरवार सुबह चार बजे की बताई जा रही है। बताया गया कि रमेश प्रजापति व काला ड्राइवर सुबह दो बजे ईंटों की ट्राली ट्रैक्टर के साथ पानीपत ईंटें सप्लाई करने जा रहे थे। मुनक नहर पर ट्रैक्टर के पिछले पहिए का एक्सल टूटने से पहिया अलग हो गया। ट्रैक्टर ट्राली असंतुलित होकर मुनक नहर में जा गिरे। ट्रेक्टर का पीछला टायर अलग होने से हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर काला को निकाल कर हस्पताल में भर्ती करवाया गया हैं।

खबर लिखे जाने तक रमेश प्रजापति लापता बताया जा रहा है। गोताखोर प्रगट सिंह, दो हाइड्रा व प्रशासन मौके मौजूद थे। इस घटना से नगर राजौंद में मातम पसरा हुआ है। रमेश प्रजापति के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। खबर लिखे जाने तक रमेश प्रजापति को गोताखोर प्रगट सिंह व परिजन तलाश में जुटे हुए थे।

हमें धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए: योगेश कंसल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। श्री खाटू श्याम परिवार सालवन द्वारा शहर में निशान यात्रा निकाली गई। श्याम बाबा की निशान यात्रा सालवन से चलकर सफीदों रोड स्थित श्री सालासर खाटू श्याम मंदिर पहुंची। निशान यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्याम प्रेमी हाथों में श्री श्याम बाबा का निशान लेकर बाबा की भक्ति में खोकर नृत्य करते हुए चल रहे थे। आगे आगे श्याम प्रेमी भजनों पर नृत्य कर रहे थे। निशान यात्रा का श्री खाटू श्याम परिवार असंध के प्रधान योगेश कंसल व दीपक मित्तल ने स्वागत किया और प्रसाद वितरित किया। श्याम भक्त श्याम बाबा के भजनों और ढोल की थाप पर थिरकते हुए चल रहे थे। इस दौरान सभी ने जमकर जयकारे लगाए, जिससे आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री खाटू श्याम परिवार असंध के प्रधान योगेश कंसल ने कहा कि हमें धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारे समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना को बढ़ाते है। इस अवसर पर सतेन्द्र बंसल, दीपक मित्तल, राहुल गर्ग, विशाल गोयल, वीरेन्द्र गोयल सहित अन्य मौजूद रहे।

समाधान शिविर व जन संवाद में आई मांगों व शिकायतों पर कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपे: डॉ. वैशाली शर्मा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने गुरूवार को समाधान शिविर व जन संवाद में आई मांगों एवं शिकायतों को लेकर कैम्प कार्यालय में आयोजित हुई समीक्षा बैठक में निगम अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी शाखा से सम्बंधित समाधान शिविर एवं जन संवाद पोर्टल पर आई मांगों व शिकायतों पर त्वज्जो लेकर कार्य करें। उन्होंने इन कार्यों की रूटिन के कार्यों से अलग सूची बनाने और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी शिकायत ऑवरड्यू यानि अतिदेय नहीं होनी चाहिएं।

उन्होंने कार्यकारी अभियंताओं को निर्देश दिए कि समाधान शिविर एवं जन संवाद पोर्टल पर आई मांगों पर निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, समय पर उनकी एक्शन टेकन रिपोर्ट (ए.टी.आर.) पोर्टल पर अपलोड करवाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यकारी अभियंता स्वयं भी इन कार्यों की निगरानी रखें। गली या पार्क इत्यादि के निर्माण को लेकर कोई मांग आए, तो उसका अनुमान तैयार कर निविदाएं आमंत्रित की जाएं। गड्ढ़े भरने व स्ट्रीट लाईट खराब होने जैसी शिकायत का तुरंत समाधान करना सुनिश्चित किया जाए।

अतिक्रमण व अवैध कब्जे की शिकायत पर करें कार्रवाई-उन्होंने भूमि एवं भवन शाखा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में अतिक्रमण व अवैध कब्जे होने को लेकर अगर कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो तुरंत उसकी जांच कर कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अवैध निर्माण पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए। सडकों पर अवैध तरीके से रेहडिया लगाने या मार्किट क्षेत्र में सीमा से आगे सामान रखने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई की जाए। नेहरू पैलेस मार्किट में अतिक्रमण से सम्बंधित समाधान शिविर में आई शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दुकानदारों से बरामदे भी खाली करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह ग्राहकों के आने-जाने के लिए हैं न कि सामान रखने के लिए। पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में लग रही रेहडियों को कर्ण कैनाल पर लग रही मंडी में स्थानांतरित करने के भी उन्होंने निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार को निर्देश दिए कि समाधान शिविर व जन संवाद पोर्टल पर आ रही शिकायतों के समाधान को लेकर समय-समय पर रिव्यू करें।

समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व अशोक कुमार, कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा व प्रियंका सैनी, तकनीकी विशेषज्ञ सतीश शर्मा, सहायक अभियंता मदन मोहन गर्ग एवं अनूप कुमार, मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा, सहायक राम सिंह तथा नायब तहसीलदार राम कुमार मौजूद रहे।

अवैध खनन करने वालों के खिलाफ हरियाणा सरकार कर रही सख्त कार्रवाई

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। प्रदेश में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ हरियाणा सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। अवैध खननकारियों के खिलाफ न केवल एफआईआर दर्ज की जा रही है बल्कि उनसे जुमार्ना भी वसूल किया जा रहा है। सरकार से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और अवैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सरकार ने कई सख्त उपाय लागू किए हैं। प्रशासन ने खनन स्थलों पर नियमित निरीक्षण और निगरानी बढ़ा दी है। ड्रोन और अन्य आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है ताकि अवैध गतिविधियों का पता लगाया जा सके। इसके अलावा, अवैध खनन में शामिल वाहनों को भी जब्त किया जा रहा है और दोषियों को कानून के तहत सख्त सजा दी जा रही है। नूंह जिला के रवा गांव में अवैध खनन को लेकर कुछ समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट निराधार हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि इससे राज्य के खजाने को 2200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। साथ ही सोशल मीडिया पर भी इस संबंध में किए जा रहे दावे तथ्यों से परे हैं। जानकारी के मुताबिक सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से वर्ष 2002 से गुरुग्राम, फरीदाबाद और नूंह जिलों में अरावली क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध है। इस क्षेत्र में हरियाणा और राजस्थान के बीच सीमा को लेकर अंतर-राज्यीय विवाद भी है जिसका लाभ राजस्थान के खान पट्टाधारक उठा रहे हैं और हरियाणा के अंदर अतिक्रमण कर रहे हैं। इस संबंध में, खान एवं भूविज्ञान कार्यालय, गुरुग्राम/नूंह द्वारा फिरोजपुर झिरका पुलिस स्टेशन और हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो में समय-समय पर अब तक 8 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

जानकारी के मुताबिक हाल ही में रवा में जो पहाड़ गिरा है, उसमें 6000 मीट्रिक टन पत्थर के अवैध खनन का आंकलन पाया गया, जिसकी कुल रॉयल्टी व कीमत 15 लाख रुपए आंकी गई है। 16 दिसंबर 2024 को रवा क्षेत्र में निरीक्षण में पाया गया कि हरियाणा की राज्य रेखा को चिह्नित करने वाले सीमा स्तंभ बरकरार है। इस मामले में 23 दिसंबर 2024 को पुलिस स्टेशन फिरोजपुर झिरका तथा हरियाणा प्रवर्तन ब्यूरो, नूंह में राजस्थान के पट्टाधारकों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई, जिसमें मैसर्स पंच भाई स्टोन कंपनी, मैसर्स हाजी ट्रेडिंग कंपनी, आशु सरपंच धोलेट और दलसेर, नांगल, तहसील पहाड़ी, राजस्थान के नाम शामिल हैं।

सिसला सिसमौर में छात्र व छात्राओं को यातायात नियमों का पढाया गया पाठ: जिला ट्रैफिक पुलिस कैथल

एसबी संवाददाता

कैथल। जिला पुलिस कैथल द्वारा वीरवार को डीएसपी ट्रैफिक सुशील प्रकाश तथा थाना प्रबंधक यातायात सब इंस्पेक्टर राजकुमार की टीम द्वारा एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार सडक सुरक्षा विषय के संबंध में सिसला सिसमौर के स्कूल में एनएसएस कैंप दौरान छात्र व छात्राओं को ट्रैफिक रूल की पालना करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान डीएसपी सुशील प्रकाश द्वारा बच्चो को जानकारी दी गई कि ऑवर स्पीड में वाहन चलाना तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करना सडक दुर्घटना का कारण बन जाते है, जिसके बारे में चालकों को सजग रहना चाहिए। सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों की समुचित पालना करनी चाहिए। कार व हल्के वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह देते हुए अपनी लेन में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया। सडक दुर्घटनाओं में गिरावट दर्ज करने के लिए पुलिस द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार के नशे की हालत में कभी वाहन न चलाए। सभी को समझाया गया कि 18 वर्ष के होने से पहले हमें व्हीकल नही चलाना चाहिए। 18 वर्ष के होने उपरांत ड्राइविंग लाइसेंस जरूर बनवाए।

दुपहिया वाहन पर दोनों साइड के शीशे लगाने बारे भी प्रेरित किया गया। लोगों को चालान से बचने के लिए नहीं अपितु अपने अमूल्य जान-माल की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की पालना करने बारे जागरूक किया गया। बच्चो को अपने परिजन तथा आस पड़ोस में यातायात नियमों की पालना करने के लिए समझाने की सलाह दी गई।

चरखी दादरी में खनन क्षेत्र में पहाड़ खिसकने की घटना को लेकर प्रकाशित समाचार पूरी तरह निराधार

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के चरखी दादरी के पिचोपा कलां गांव में खनन क्षेत्र में पहाड़ खिसकने की घटना और गाड़ियों के मलबे में दबे होने के संबंध में प्रकाशित खबर भ्रामक है और पूरी तरह निराधार है।

घटना के संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि इसमें किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। जिस व्यक्ति का घायल होना बताया जा रहा है उसे छोटे पत्थर के खिसकने से मामूली चोट लगी है, जिसको उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उसके पैर की अंगुली में फ्रैक्चर होने के कारण प्लास्टर किया गया है। विभाग के उच्चाधिकारियों ने बताया कि उपायुक्त श्री मुनीश शर्मा के निर्देश पर एसडीएम श्री सुरेश कुमार और खनन अधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है जिसमें पहाड़ खिसकने जैसा कुछ प्रतीत नहीं हुआ। वहीं इस दौरान कोई खनन करने वाली मशीनरी व गाड़ी/वाहन दबा हुआ नहीं पाया गया।

उल्लेखनीय है कि खान एवं भूविज्ञान विभाग, हरियाणा आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अवैध खनन को रोकने का भरपूर प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा समय-समय पर ड्रोन के माध्यम से स्लोप स्टेबिलिटी सर्वे भी किया जाता है। साथ ही, खान सुरक्षा महानिदेशालय के दिशानिदेर्शों के तहत विभिन्न तकनीकों को अपनाकर पहाड़ खिसकने से होने वाली घटनाओं में भी कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए नियमित निगरानी और सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं, जिससे जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

विभाग ने हर स्थिति में सावधानी बरतते हुए खनन कार्यों को नियंत्रित किया है और आगामी समय में भी इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय लागू किए जाएंगे। खनन क्षेत्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, और विभाग भविष्य में तकनीकी विकास और जागरूकता अभियान के जरिए इसे और भी मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

स्वच्छता अभियान में ग्राम पंचायतों के साथ-साथ आम जन की भागीदारी करें सुनिश्चित: उत्तम सिंह

जिला स्वच्छ भारत मिशन प्रबंधन कमेटी की बैठक का आयोजन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि जिला के सभी गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल गांव बनाया जाए, इसके लिए सभी खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मिशन मोड में कार्य करें और लक्ष्य निर्धारित करके गांवों में स्वच्छता अभियान चलाए। इस अभियान में ग्राम पंचायतों के साथ-साथ आम जन की भागीदारी सुनिश्चित करें। इसके अलावा कूडा कचरा इकट्ठा करने के लिए प्रत्येक ग्राम में ई-कोर्ट व तीपहिया रिक्शा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने स्वच्छता मिशन से जुड़े अधिकारियों स्पष्ट निर्देश दिये कि वे स्वच्छता अभियान के तहत गतिविधियों में तेजी लाए और जो कार्य करवाए जाने उनको जल्द पूरा करवाए, फंड को वापिस न जाने दिया जाए।

उपायुक्त वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन प्रबंधन कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूडा कचरा प्रबंधन, ग्रे वाटर प्रबंधन, सॉलिड वेस्ट प्रबंधन को लेकर जिला में चल रहे प्रोजेक्टो की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए की इन प्रोजेक्टो को जल्द से जल्द पूरा किया जाए तथा नए प्रोजेक्ट के प्रपोजल तैयार किए जाए। आज की बैठक में उन्होंने नीलोखेड़ी ब्लाक के गांव सुल्तानपुर में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट लगाने की स्वीकृति प्रदान की है इसके अलावा शेष ब्लोको में भी प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन आम आदमी से जुड़ा हुआ अभियान है, सभी खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी इस अभियान को गंभीरता से ले और मन से लोगों को स्वच्छता के प्रति

जागरूक करें, इसके लिए वे महीने में दो बार किसी न किसी गांव में स्वच्छता अभियान चलाए, और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोडे। उन्होंने यह भी कहा कि गांवों मे दुकान दारो को जागरूक करें कि वे कचरें को बहार गली में न फेके बल्कि डस्टबिन का प्रयोग करें।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि स्वच्छ हरियाणा मिशन के तहत 1 जनवरी से 31 जनवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण विकास व शहरी स्थानीय निकाय विभागो द्वारा प्रबंधित सभी पंचायती राज संस्थानो व अन्य परिसंपत्तियों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणालियों के पालन को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत कार्यालयों में अभियान स्थलों की पहचान कर वहां अनावश्यक साम्रगियों का आंकलन कर स्थान प्रबंधन व कार्यालयों की साफ सफाई का कार्य किया जाएगा। इससे कार्यालयों को नया स्वरूप मिलेगा व फाईल व रिकॉर्ड रूम भी व्यवस्थित होगा।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों से संबंधित सभी कार्यो को ऑनलाइन किया जाए ताकि सभी कार्य जल्द पुरे किए जा सके।

इसके लिए उन्होंने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ई ऑफिस पोर्टल पर अपनी आईडी बना लें ताकि पंचायतों से संबंधित सभी कार्यों को ऑनलाइन किया जा सके, इसके अलावा जो विकास कार्य पूरे होते जाए उसकी रिपोर्ट बनाकर जिला स्तर पर भेजें।

सीईओ जिला परिषद गौरव कुमार ने बताया कि जिला में अब तक 432 गांवों को ओडीएफ प्लस बना दिया गया है, बाकि बचें हुए गांवों को भी जल्द ओडीएफ प्लस की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एसडब्ल्यूएम के तहत 89 गांवों में 39 परियोजनाएं एसबीएमजी व मनरेगा के तहत चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्रे वाटर मैनेजमेंट के तहत 7 परियोजनाएं प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में समाज का सहयोग मिलना जरूरी हैं। आम जन यदि इस अभियान में शामिल हो तो शहर के साथ-साथ गांवों को भी सुंदर बनाया जा सकता हैं।